वेदांता का नेट-जीरो ट्रांजिशन निवेश 1 अरब अमेरिकी डॉलर के पार, रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग 52 प्रतिशत बढ़कर 4 अरब यूनिट हुआ

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। भारत अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी और विद्युतीकरण का तेजी से विस्तार कर रहा है। ऐसे में वेदांता ग्रुप एनर्जी ट्रांजिशन के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है। कंपनी एक ओर नई ऊर्जा अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए जरूरी महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति कर रही है, वहीं दूसरी ओर एक बड़े ऊर्जा उपभोक्ता के रूप में इन सामग्रियों के उत्पादन के तरीके में बदलाव ला रही है। भारत ने 2030 तक 500 जीडब्लू गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही, भारत का लक्ष्य अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को रिन्यूएबल एनर्जी से पूरा करना और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करना है। वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा स्वच्छ ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव के लिए टिकाऊ सामग्रियों के साथ-साथ टिकाऊ तरीके से काम करना भी जरूरी है। वेदांता इस बदलाव के केंद्र में है। हम कम-कार्बन वाले भविष्य के लिए जरूरी महत्वपूर्ण धातुओं का उत्पादन कर रहे हैं।